बेटी को कहानी सुनाते दिखे रणदीप

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी बेटी न्योमिका को सोने से पहले कहानी सुनाते हुए एक भावुक पारिवारिक पल सोशल मीडिया पर साझा किया है। रणदीप हुड्डा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक बेहद खास और भावुक पल साझा किया, जिसने इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत लिया। एक नए पिता के रूप में अपनी ज़िन्दगी की खूबसूरत झलक दिखाते हुए रणदीप अपनी बेटी न्योमिका को सोने से पहले कहानी सुनाते नज़र आए, जबकि उनकी पत्नी लिन लैशराम उनके पास बैठी हुई थीं. यह तस्वीर माता-पिता बनने की खूबसूरती और परिवार के साथ बिताए जाने वाले अनमोल पलों को दर्शाती है.

इस भावुक तस्वीर में रणदीप पूरी तन्मयता के साथ अपनी नन्ही बेटी को कहानी सुना रहे हैं, जबकि न्योमिका अपनी मां की गोद में बैठकर ध्यान से सुन रही है। इस खास तस्वीर के साथ रणदीप ने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा, जिसने लोगों को भावुक कर दिया.

'हर कहानी सुनाने वाला एक नए श्रोता का सपना देखता है.लेकिन उस खुशी के लिए कोई तैयार नहीं कर सकता, जब आप किसी ऐसे इंसान को कहानी सुनाते हैं जो आपको अपनी पूरी दुनिया मानकर देखता है. रणदीप के इन भावुक शब्दों और इस खूबसूरत पल ने उनके प्रशंसकों को बेहद प्रभावित किया है. कई लोगों ने इस जोड़े की सराहना की है कि वे अपने माता-पिता बनने के सफर के छोटे-छोटे लेकिन अनमोल पलों को पूरी तरह जी रहे हैं.जहां पर्दे पर रणदीप अक्सर गंभीर और दमदार किरदारों में नज़र आते हैं, वहीं एक स्नेही और प्यार करने वाले पिता के रूप में उनका यह रूप लोगों को बेहद पसंद आ रहा है.

प्रेम ने ठानी अनुपमा की बर्बादी

टीवी के लोकप्रिय शो 'अनुपमा' में एक बार फिर हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला है. जहां एक तरफ अनुपमा की मेहनत रंग लाती नजर आई, वहीं दूसरी तरफ उसके अपने ही लोग उसके खिलाफ खड़े होते दिखाई दिए. लेटेस्ट एपिसोड में आए नए ट्विस्ट ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है. एपिसोड की शुरुआत अनुपमा के एक महत्वपूर्ण बिजनेस प्रेजेंटेशन से होती है. वह निवेशकों के सामने अपने बिजनेस मॉडल को बेहद आत्मविश्वास के साथ पेश करती है. अनुपमा बताती है कि आज के दौर में लोग सिर्फ स्वाद नहीं बल्कि खाने की गुणवत्ता और स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देते हैं. एक मां होने के नाते वह समझती है कि परिवार के लिए पौष्टिक और सुरक्षित भोजन कितना जरूरी है.

अनुपमा की बातों से निवेशक काफी प्रभावित होते हैं. इस दौरान दिग्विजय भी अपनी टीम के विजन और काम करने की रणनीति के बारे में विस्तार से जानकारी देता है. दोनों की प्रस्तुति निवेशकों का भरोसा जीतने में सफल रहती है और आखिरकार वे इस प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिए तैयार हो जाते हैं. यह अनुपमा के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होती है. हालांकि सफलता के इस पल के बीच कुछ नई परेशानियों के संकेत भी मिलते हैं. प्रेरणा जरूरी दस्तावेजों को लेकर चिंतित दिखाई देती है, जिससे आने वाले एपिसोड में किसी बड़ी समस्या की आशंका जताई जा रही है.

पेद्दी इवेंट में जान्हवी ने जीता दिल

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' के प्री-रिलीज़ इवेंट में तेलुगु में भाषण देकर प्रशंसकों का दिल जीत लिया. विजयवाड़ा में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट और टीम मौजूद रही, लेकिन जान्हवी का आत्मीय संबोधन सबसे अधिक चर्चा का विषय बन गया.

फिल्म में अचियम्मा का किरदार निभा रहीं जान्हवी कपूर ने अपने भाषण की शुरुआत दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए की. उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ तेलुगु भाषा में अपने विचार रखे, जिसे वहां मौजूद दर्शकों ने उत्साहपूर्वक सराहा. उनके भाषण के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं और प्रशंसक उनके प्रयास तथा समर्पण की प्रशंसा कर रहे हैं. जान्हवी ने कहा कि 'पेद्दी' उनकी पूरी टीम के लिए एक बेहद खास फिल्म है.

उन्होंने बताया कि फिल्म का मूल संदेश अपनी पहचान को बनाए रखने और जीवन के वास्तविक उद्देश्य की तलाश के इर्द-गिर्द केंद्रित है. अभिनेत्री ने कहा कि दर्शकों का प्यार कलाकारों को लगातार बेहतर काम करने और सार्थक कहानियों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने की प्रेरणा देता है. अपने संबोधन के अंत में जान्हवी भावुक नजर आईं. उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य अभिनय के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करना और अच्छी फिल्में दर्शकों तक पहुंचाना है. उन्होंने कहा कि उनकी पहचान उन लोगों से जुड़ी है, जिन्होंने उनके सफर में हमेशा उनका साथ दिया और उन्हें भरपूर प्यार दिया. फिल्म की रिलीज़ में अब केवल दो दिन शेष हैं और ऐसे में जान्हवी कपूर का यह तेलुगु भाषण 'पेद्दी' के प्रचार अभियान का सबसे चर्चित और भावनात्मक क्षण बन गया है.

फिल्म ड्रैगन बनेगी बॉक्स ऑफिस की बादशाह

ड्रैगन' इस समय इंडियन सिनेमा की सबसे मच-अवेटेड फिल्मों में से एक बनकर उभरी है. यह फिल्म 'मैन ऑफ द मासेस' एनटीआर और विजनरी फिल्ममेकर प्रशांत नील को एक साथ लेकर आ रही है, जो बड़े पर्दे पर एक बहुत बड़ा सिनेमैटिक इवेंट होने वाला है. एक बड़े स्केल पर बनाई जा रही यह फिल्म अपने साथ बड़े एक्शन, इंटेंस कहानी और शानदार विजुअल्स का एक ऐसा पैकेज लाने का वादा करती है, जिसे थिएटर में देखने का मजा ही अलग होगा.

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म की पहली झलक ने देश भर में तहलका मचा दिया है और सोशल मीडिया पर फैंस का एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गया है. दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म पिछले 5 सालों से डेवलप हो रही है, और एनटीआर ने इसके ड्रामेटिक डेप्थ को निखारने में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाई है.

इसी बारे में बात करते हुए डायरेक्टर प्रशांत नील ने कहा, ?5 साल. शुरुआत के 3 सालों में मेरे पास राइटर्स नहीं थे, वे उसके बाद ही आए. इस दौरान हीरो और मैं अक्सर इस कहानी को लेकर बातें किया करते थे. ड्रामा के मामले में मुझे उन पर पूरा भरोसा है, जब भी मैं उनसे जाकर बात करता हूँ, तो मुझे एक गहरा यकीन होता है. ऐसा इसलिए नहीं है कि मुझे अपने हीरो से सिर्फ अप्रूवल चाहिए, बल्कि मैं सच में उन पर बहुत भरोसा करता हूँ.' ?उन्होंने आगे जोड़ा,? 'मैं आमतौर पर ऐसे ऑडियंस के पास जाता हूँ जिस पर मुझे भरोसा हो, और मेरी खुशकिस्मती है कि एनटीआर इस मामले में बिल्कुल कमाल हैं. उन्होंने इस फिल्म में जो इनपुट्स दिए हैं, वे बेहद शानदार रहे हैं. मैं उनके साथ काम करके बहुत खुश हूँ, जहाँ हम कहानी के ड्रामेटिक सीन्स को लेकर इतनी खुलकर चर्चा कर सकते हैं. जब से इस फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ है, तब से इसने बॉक्स ऑफिस और फैंस के बीच एक जबरदस्त बज बना रखा है.

जैसी हो वैसी रहो तापसी की सलाह

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने हाल ही में अपने शरीर और फिटनेस को लेकर किये गए संघर्षों के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा था जब वह फ्लैट टमी पाने को लेकर काफी ज्यादा चिंतित रहती थीं और इसी वजह से उन्होंने खुद पर जरुरत से ज्यादा दवाब बना लिया था.

सोशल मीडिया पर उन्होंने बताया कि उन्हें हमेशा से ही फिट रहना पसंद है और बचपना से ही वो काफी मेहनत करती आई हैं लेकिन पेट के निचले हिस्से के मोटापे को लेकर हमेशा परेशान रहती थीं. इसे कम करने के लिए ही उन्होंने लगातार और बेहद कठिन वर्कआउट करना शुरू कर दिया. बहुत ज्यादा मेहनत करने के बाद उन्हें लगा कि शायद वो कुछ गलत कर रही हैं क्योंकि जरुरत से ज्यादा की गई मेहनत भी अभी परेशानी में डाल देती है.

जब शरीर पर जरूरत से ज्यादा दबाव डाला जाता है तो वह खुद को सुरक्षित रखने के लिए अलग तरह से प्रतिक्रिया देता है. ऐसे में शरीर पानी को रोककर रखने लगता है, जिससे सूजन और फुलाव जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं.

उन्होंने कहा कि कई बार लोग इसे सिर्फ फैट समझ लेते हैं, जबकि इसके पीछे अन्य शारीरिक कारण भी हो सकते हैं. इसी के साथ तापसी ने बताया कि हर एक महिला का शरीर अलग होता है. जरूरी नहीं की सबका शरीर एक जैसा लगे. उन्होंने बताया कि उनको यह एक्सेप्ट करने में काफी टाइम लगा कि जैसे हो वैसे ही रहना चाहिए.

महाप्रभु जगन्नाथ' 10 जुलाई को होगी रिलीज

एनिमेटेड फीचर फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' 10 जुलाई को रिलीज़ होगी. फिल्म के पहले पोस्टर को देशभर से शानदार प्रतिक्रिया मिलने के बाद अब फिल्म ने एक और महत्वपूर्ण और आध्यात्मिक पड़ाव हासिल किया है. फिल्म की टीम ने बेंगलुरु स्थित 'द आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर' में विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु, मानवतावादी और 'द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के संस्थापक 'गुरुदेव श्री श्री रविशंकर' से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया.

इस विशेष अवसर पर फिल्म के निर्माताओं ने 'महाप्रभु जगन्नाथ' का आधिकारिक पोस्टर गुरुदेव श्री श्री रविशंकर को भेंट किया और फिल्म की सफल यात्रा एवं रिलीज़ के लिए उनका आशीर्वाद लिया. इस आध्यात्मिक और यादगार मुलाकात के बाद निर्माताओं ने आधिकारिक रूप से फिल्म की 10 जुलाई की पैन-इंडिया थिएट्रिकल रिलीज़ डेट की घोषणा की और साथ ही फिल्म का बहुप्रतीक्षित दूसरा पोस्टर भी जारी किया. टेलीविज़न पर बेहद सफल रही 'जय जगन्नाथ' श्रृंखला के माध्यम से करोड़ों दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब भगवान जगन्नाथ की दिव्य दुनिया बड़े पर्दे पर भव्य रूप में दर्शकों के सामने आने जा रही है. 'महाप्रभु जगन्नाथ' एक ऐसी पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है जो उच्च स्तरीय एनिमेशन के साथ भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और मूल्यों को खूबसूरती से प्रस्तुत करती है.

फिल्म को 'दुर्गा प्रसाद दलई' ने 'एले एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले निर्मित किया गया है. यह फिल्म लोकप्रिय एनिमेटेड श्रृंखला 'जय जगन्नाथ' की अभूतपूर्व सफलता के बाद बनाई गई है.

टोरंटो कॉन्सर्ट में छाया 'मैं वापस आऊंगा' का ट्रेलर

निर्देशक इम्तियाज़ अली की बहुप्रतीक्षित फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है. हाल ही में फिल्म का भावनाओं से भरपूर ट्रेलर रिलीज़ किया गया, जिसे भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर के दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. फिल्म में वैश्विक स्टार दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. इसी बीच दिलजीत ने अपने चल रहे क्क ञ्जश्वह्व 2026 के दौरान टोरंटो में आयोजित एक भव्य कॉन्सर्ट में फैंस को खास सरप्राइज दिया. उन्होंने हजारों दर्शकों के सामने स्टेडियम की विशाल स्क्रीन पर अपनी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' का ट्रेलर दिखाया.

ट्रेलर के स्क्रीन पर आते ही पूरा स्टेडियम तालियों और उत्साह से गूंज उठा.

मां बनने की खुशी में चमकीं करिश्मा तन्ना

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर का आनंद ले रही हैं. जल्द ही मां बनने जा रहीं करिश्मा अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी को पूरी तरह एन्जॉय कर रही हैं और लगातार फैंस के साथ इस खास सफर की झलकियां साझा कर रही हैं. 42 साल की उम्र में मातृत्व की नई शुरुआत करने जा रहीं अभिनेत्री के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा है. हाल ही में करिश्मा ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं. अलग-अलग आउटफिट्स और स्टाइलिश पोज़ में करिश्मा का ग्लैमरस अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है.

तस्वीरों में उनका आत्मविश्वास, मुस्कान और मदरहुड को लेकर उत्साह साफ झलक रहा है. फैंस के साथ-साथ मनोरंजन जगत की कई हस्तियों ने भी उनकी तस्वीरों पर प्यार बरसाया है.

करिश्मा तन्ना हमेशा से अपनी फिटनेस और फैशन सेंस के लिए जानी जाती रही हैं. खास बात यह है कि प्रेग्नेंसी के आखिरी महीनों में भी वह खुद को एक्टिव और पॉजिटिव बनाए हुए हैं.

कृषि जगत

खेती से पहले जानिए मिट्टी की पहचान

खेती में अच्छी पैदावार केवल बीज, खाद और सिंचाई पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता भी इसमें अहम भूमिका निभाती है. कई बार किसान बेहतर बीज और पर्याप्त सिंचाई के बावजूद अपेक्षित उत्पादन नहीं ले पाते, क्योंकि उनकी मिट्टी फसल की जरूरतों के अनुरूप नहीं होती. ऐसे में फसल लगाने से पहले मिट्टी की जांच और उसकी प्रकृति को समझना बेहद जरूरी हो जाता है.

गर्मी के मौसम में खेती के लिए दोमट मिट्टी को सबसे उपयुक्त माना जाता है. यह मिट्टी रेत, गाद और चिकनी मिट्टी का संतुलित मिश्रण होती है. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह नमी को लंबे समय तक बनाए रखती है, साथ ही अतिरिक्त पानी को भी बाहर निकाल देती है. यही कारण है कि सब्जियों, दलहनी फसलों, तिलहन और कई नकदी फसलों के लिए दोमट मिट्टी आदर्श मानी जाती है. गर्मी के मौसम में ऐसी मिट्टी बेहतर रहती है, जिसमें जलधारण क्षमता अच्छी हो और पौधों की जड़ों तक पर्याप्त हवा पहुंच सके. दोमट मिट्टी इन दोनों गुणों से भरपूर होती है. इसके अलावा काली मिट्टी भी कुछ फसलों के लिए काफी उपयोगी मानी जाती है. काली मिट्टी में नमी को लंबे समय तक संजोकर रखने की क्षमता होती है, जिससे कम सिंचाई में भी फसल अच्छी बढ़ती है.

कम बारिश में भी खूब फलेंगी ये धान

अल नीनो के बीच किसानों को राहत

मानसून का इंतजार कर रहे किसानों के लिए इस बार मौसम का मिजाज चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है. मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष अल नीनो का प्रभाव देखने को मिल सकता है, जिसके चलते मध्य प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना जताई गई है. यह खबर खास तौर पर धान उत्पादक किसानों के लिए चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि धान की खेती पानी पर काफी हद तक निर्भर मानी जाती है. मध्य प्रदेश के 'धान के कटोरे' के रूप में पहचाने जाने वाले बालाघाट जिले में हजारों किसान अपनी आजीविका के लिए धान की खेती पर निर्भर हैं. ऐसे में कम

बारिश की आशंका ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं. हालांकि कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि किसान सही किस्मों का चयन करें तो कम पानी की स्थिति में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है.

बालाघाट जिले में धान की खेती प्रमुख फसल के रूप में की जाती है. यहां 1.3 लाख से अधिक किसान परिवार धान उत्पादन से जुड़े हुए हैं. जिले के कुल 3.26 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में से लगभग 1.76 लाख हेक्टेयर भूमि पर खरीफ सीजन में धान की खेती होती है. इसके अलावा रबी सीजन में भी करीब 37 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान बोया जाता है. यही कारण है कि बालाघाट को प्रदेश का 'धान का कटोरा' कहा जाता है. कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एस.आर. धुवारे के अनुसार किसानों को इस बार ऐसी धान किस्मों का चयन करना चाहिए जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार देने में सक्षम हों. मध्य प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा विकसित कई उन्नत किस्में ऐसी हैं जो जल संकट की स्थिति में भी बेहतर उत्पादन देती हैं. इन किस्मों की जड़ें मजबूत होती हैं और ये कम नमी में भी फसल को सुरक्षित बनाए रखती हैं. किसान खेत में नमी संरक्षण तकनीकों को अपनाएं, समय पर बुवाई करें और जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें. साथ ही उन्नत एवं सूखा-सहनशील किस्मों का उपयोग करने से उत्पादन में कमी की संभावना काफी हद तक कम हो सकती है.

लू के मौसम में पशुपालक रहें सतर्क

जानें गर्मी से पशुओं को बचने का तरीका

गर्मी का मौसम सिर्फ इंसानों के लिए ही नहीं बल्कि पशुओं के लिए भी चुनौती लेकर आता है. लगातार बढ़ते तापमान और लू के कारण दुधारू पशुओं की सेहत पर सीधा असर पड़ता है. कई बार अत्यधिक गर्मी के कारण पशु बीमार पड़ जाते हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता घटने लगती है और दूध उत्पादन में भी कमी आने लगती है. ऐसे में पशुपालकों के लिए यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि वे अपने पशुओं की देखभाल किस प्रकार करें ताकि उन्हें गर्मी से राहत मिल सके और उनका स्वास्थ्य बेहतर बना रहे.

थोड़ी सी सावधानी और उचित प्रबंधन से गर्मी के दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है. पशुओं के लिए पर्याप्त पानी, छायादार स्थान और संतुलित आहार की व्यवस्था करना इस मौसम में बेहद आवश्यक है. यदि पशुपालक समय रहते जरूरी कदम उठाएं तो न केवल पशुओं को स्वस्थ रखा जा सकता है बल्कि दूध उत्पादन भी सामान्य बना रहेगा. गर्मी के मौसम में पशुओं को सीधे सूर्य की तेज किरणों के संपर्क में नहीं रखना चाहिए. पशुओं के लिए छायादार पेड़ों के नीचे या ठंडी जगह पर आश्रय की व्यवस्था करना सबसे बेहतर विकल्प होता है. इससे उनके शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और गर्मी से होने वाले तनाव में कमी आती है.

उन्होंने बताया कि यदि पशुपालक टीन शेड का उपयोग कर रहे हैं तो उसके ऊपर घास, पुआल या मिट्टी की परत बिछा देनी चाहिए. इससे शेड के अंदर का तापमान कम रहता है और पशुओं को राहत मिलती है. विशेष रूप से जर्सी और एचएफ नस्ल की ट्रांसब्रीड गायों को गर्मी अधिक प्रभावित करती है.

गर्मी के मौसम में पशुओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार दें, नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें. इन उपायों को अपनाकर पशुओं को स्वस्थ रखा जा सकता है तथा दुग्ध उत्पादन में होने वाली कमी को भी रोका जा सकता है.

छत के गमलों में उगाएं फलदार पेड़

शहरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल के बीच लोग अब अपने घरों में हरियाली लाने के नए-नए तरीके तलाश रहे हैं. सीमित जगह के कारण जहां पहले बागवानी करना मुश्किल माना जाता था, वहीं अब छत और बालकनी छोटे-छोटे बगीचों में बदलते नजर आ रहे हैं. लोग फूलों और सजावटी पौधों के साथ-साथ फलदार पौधों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं ताकि घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ ताजे और पौष्टिक फलों का आनंद भी लिया जा सके. छत पर बागवानी करते समय ऐसे पौधों का चयन करना जरूरी है जो तेज धूप, गर्मी और सीमित जगह में भी अच्छी तरह विकसित हो सकें.

सही किस्म के पौधों का चयन और उचित देखभाल करने पर गमलों में भी भरपूर फल प्राप्त किए जा सकते हैं. अमरूद ऐसा ही एक फलदार पौधा है जो छत पर आसानी से उगाया जा सकता है. यह पौधा तेज धूप और गर्म मौसम को अच्छी तरह सहन कर लेता है. इसकी जड़ें मजबूत होती हैं और यह अलग-अलग प्रकार की जलवायु में भी अच्छी वृद्धि करता है. अमरूद पर कीट और रोगों का प्रभाव भी अपेक्षाकृत कम होता है, जिससे इसकी देखभाल आसान हो जाती है.

छत पर अमरूद लगाने के लिए बनी और क्वीन जैसी किस्में बेहतर मानी जाती हैं. यदि बड़े आकार के गमले, उपजाऊ मिट्टी और नियमित सिंचाई की व्यवस्था हो तो यह पौधा कुछ ही महीनों में फल देना

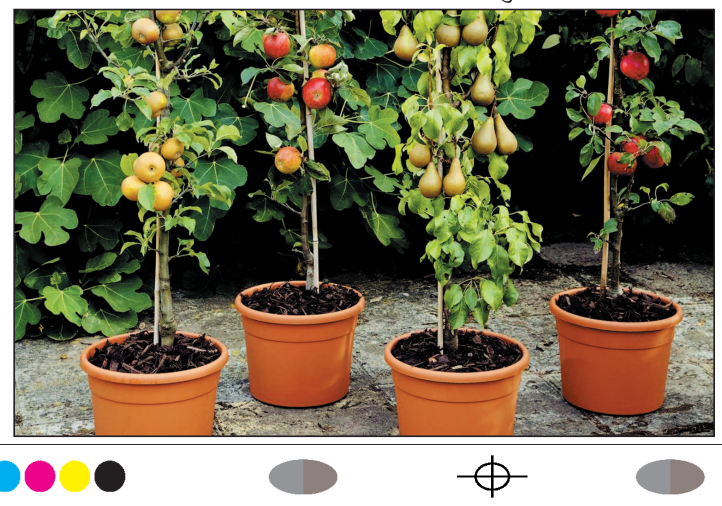

शुरू कर सकता है. इसके फल स्वादिष्ट होने के साथ-साथ विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. वहीं चेरी का पौधा भी छत पर उगाने के लिए एक अच्छा विकल्प माना जाता है.

चेरी की खासियत यह है कि यह विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उग सकती है और रोगों तथा कीटों से भी कम प्रभावित होती है. यदि पर्याप्त धूप, समय पर सिंचाई और जैविक खाद का उपयोग किया जाए तो छत पर फलदार पौधों की सफल खेती की जा सकती है. इससे न केवल घर में हरियाली बढ़ती है, बल्कि परिवार को ताजे और रसायन मुक्त फलों का लाभ भी मिलता है. छत की बागवानी आज के समय में स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली की ओर एक सकारात्मक कदम बनती जा रही है.